सफलता की कहानी

तलाकशुदा पूजा कुमारी की जिंदगी में नया रंग भरने का माध्यम बना कौशल प्रशिक्षण

हमारी आधी आबादी के सशक्तीकरण और आर्थिक संवर्धन के लिए कई स्तर पर प्रयास किये जा रहे है। सरकारी–गैर सरकारी प्रयासों के बावजूद कई बार महिलाओं के आर्थिक पिछड़ेपन के कारण उन्हें यातनाओं का सामना करना पड़ता है।

ऐसी ही एक कहानी है, काठीटाँड़ रातू की पूजा कुमारी का। मूलतः पूजा राँची जिला के काठीटाँड़, रातू के ग्रामीण क्षेत्र की रहने वाली है। पूजा के पिता श्री विजय मेहता एक दैनिक मजदूर है और माँ श्रीमती सबिता देवी घर के काम काज संभालती है। मजदूर दंपत्ती होने के कारण घर की माली स्थिति काफी खराब है। पूजा कुल तीन भाई–बहनें है और पूजा के कौशल प्रशिक्षण के पूर्व इनके पास अपने भाग्य को कोसने के अलावा शायद कोई विकल्प भी नहीं था। मजदूर माता पिता की संतान होने के बावजूद पूजा ने धीमी गति से ही सही मैट्रिक तक की पढ़ाई जैसे–तैसे पूरी की। पढ़ाई के उपरांत वर्ष 2016 में गरीब माँ–बाप ने पूजा का विवाह भी कर दिया। लेकिन कतिपय कारणों से पूजा का विवाह लंबी अवधि तक नहीं चल सका। वर्ष 2017 में पूजा और उसके पति का तलाक हो गया। इस तलाक के साथ ही गरीबी से जूझ रहे पूजा और उसके पूरे परिवार की जिंदगी में आये खुशी का एक रंग भी फीका पड़ गया।

इसी बीच झारखण्ड कौशल विकास मिशन सोसाईटी के प्रशिक्षण प्रदाता संस्था IL&FS की कमड़े स्थित सक्षम झारखण्ड कौशल विकास योजना के उत्प्ररकों द्वारा सिलाई मशीन ऑपरेटर के प्रशिक्षण के लिए चलाये जा रहे प्रचार–प्रसार का पूजा पर काफी साकारात्मक प्रभाव पड़ा। इस जागरूकता कार्यक्रम से पूजा को जानकारी मिली की कौशल विकास का प्रशिक्षण प्राप्त कर अपनी जिंदगी को फिर से सजाया–संवारा जा सकता है। इसी प्रेरणा के साथ पूजा ने अपने और अपने परिवार की आर्थिक संवृद्धि का संकल्प लिया और कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने का निश्चय कर ली। कुछ ही दिनों बाद प्रशिक्षण प्रदाता संस्था द्वारा शुरू किये जा रहे नये बैच में पूजा का नामांकन हो गया और उसने ढेड़ माह का आवासीय प्रशिक्षण पूर्ण किया। पूजा के व्यक्तित्व में छिपी उसकी मेघा सामने आई और पूजा ने वस्त्र उद्योग क्षेत्र में काम आने वाली विभिन्न अवयवों को बखूबी सीख लिया।

प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरांत ही प्रशिक्षण प्रदाता संस्था द्वारा वस्त्र उद्योग की नामी–गिरामी कंपनियों को कैम्पस प्लेसमेंट हेतु आमंत्रित किया गया। इन्हीं में से तमिलनाडु की जानेमाने वस्त्र उद्योग कंपनी सहाना अपरैल में पूजा का चयन हो गया। वर्तमान में पूजा रू0 9,000/– (नौ हजार रूपये) की मासिक वेतनमान पर कार्यरत है। अपनी सूझ–बूझ से पूजा ने जेन्ट्स पैंट–शर्ट एवं सभी लेडिज़ गारमेन्ट्स को बनाने का महारथ हासिल कर लिया है।

पूजा के लगन और कड़े परिश्रम से अब घर की भी माली हालत में सुधार हो रहा है। पूजा अपनी गाढ़ी कमाई जाया किये बगैर काफी सूझ–बूझ से काम ले रही है। उसने अपनी शुरूआती दिनों के वेतन से कुछ हिस्सा बचाकर मज़दूर पिता के लिए चाय–पानी की एक दुकान खुलवा दी है। साथ ही, मैट्रिक में पढ़ रहे भाई को भी उसकी पढ़ाई के लिए कुछ रकम भेजने की जिम्मेवारी उठा रही है।

इस प्रकार पूजा की कहानी महिला सशक्तीकरण और महिलाओं के आर्थिक संवर्धन की एक जीती जागती मिशाल है। झारखण्ड कौशल विकास मिशन सोसाईटी की ओर से पूजा कुमारी को उनके उज्जवल भविष्य के लिए अन्नंत शुभकामनाएँ।

****